D C R
नासूर

मुझे भली-भाँति समझा दिया गया है कि मेरी दायीं/बायीं आँख से नाक तक जाने वाले आँसुओं के रास्ते में रुकावट है तथा इसके निराकरण के लिए मुझे डी.सी.आर. नामक शल्य क्रिया करवानी होगी। इस शल्य क्रिया में नाक एवं आँसुओं की थैली (Lacrimal Sac) के मध्य सीधा सम्पर्क स्थापित किया जायेगा। इस शल्य क्रिया में नाक की हड्डी को तोड़कर उसमें एक छेद किया जाएगा। इस शल्य क्रिया के बाद 24 घण्टे तक नाक में पट्टी रखी जाएगी। मुझे शल्य क्रिया की विधि एवं उससे होने वाले खतरों जैसे - (अ) शल्य क्रिया के दौरान अत्यधिक रक्त स्राव (ब) शल्य क्रिया का असफल होना (स) चीरे के स्थान पर इन्फेक्शन (संक्रमण) का हो जाना आदि मुझे बतला दिए गए हैं। फिर भी मैं अपनी सहमति से पूर्ण होश हवास में इस शल्य क्रिया को करवाने हेतु अपनी सहमति दे रहा हूँ एवं समस्त भले-बुरे की जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी एवं संबंधित चिकित्सक/स्टाफ की किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं रहेगी।

मैं (मरीज का नाम) ..... अपनी सहमति दायीं/बायीं आँख का ऑपरेशन हेतु देता हूँ एवं सभी बातों को समझ कर व सभी नुकसान या पूर्ण रूप से रोशनी नहीं आने से सहमत हूँ।

मैंने यह सहमति-पत्र पूर्ण होश-हवास में पढ़/सुन लिया है तथा मैं इससे पूर्णतया सहमत हूँ। मैंने उपरोक्त सभी बातों/स्वयं की शंकाओं का समाधान संबंधित डॉक्टर से प्राप्त कर लिया है व इसके उपरान्त अपनी पूर्ण सहमति प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मरीज के हस्ताक्षर

मरीज के रिश्तेदार/गवाह के हस्ताक्षर

संबंधित चिकित्सक के हस्ताक्षर
या चिकित्सालय की मुहर

SYRINGING AND PROBING FOR EPIPHORA

मुझे भली-भाँति समझा दिया गया है कि मेरे पुत्र/पुत्री के आँख से नाक तक जाने वाले आँसुओं के रास्ते में रुकावट है। इस कारण उसकी आँख से लगातार पानी बह रहा है। इस बीमारी के लिए रुके हुए रास्ते को खोलने के लिए पतले यंत्र (Metal Probe) को आँसुओं के रास्ते में डाला जाएगा एवं रास्ते को खोलने की कोशिश की जाएगी। इस विधि को बेहोशी (General Anaesthesia) में किया जाएगा।

1. इस विधि द्वारा आँसुओं के रास्ते की रुकावट को 95 प्रतिशत तक ठीक किया जा सकता है।
2. यदि रास्ते की रुकावट बरकरार रहती है तो इस विधि को एक से अधिक बार भी करना पड़ सकता है।
3. जन्मजात विकृतियाँ जैसे - आँसुओं के रास्ते का न बनना अथवा अधूरा बनने के कारण इस विधि के अपेक्षित परिणाम नहीं निकलेंगे।
4. नाक से तीन दिन तक रक्त स्राव हो सकता है।
5. ऊपर लिखी गई विधि के गलत तरीके से पलकों पर सूजन आ सकती है।
6. इन सभी परिणामों को जानते हुए भी मैं अपने पुत्र/पुत्री पर इस जाँच को करने की सहमति देता हूँ एवं होने वाले समस्त भले-बुरे की जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी ।